



H/ 3/11/88

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

बसाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 162]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 15, 1988/श्रावण 24, 1910

No. 162]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 15, 1988/SRAVANA 24, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त विभाग

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 15 अगस्त, 1988

अधिसूचना

क्र. सं. 712/20/88-सी.ए. (त.नि.).—राष्ट्रपति जी स्वातंत्र्य दिवस  
1988 के मुहूर्त पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनके द्वारा अपनी  
जान जोखिम में देशसेवा की गई विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए  
प्रशस्ति-प्रमाण-पत्र प्रदान किये हैं:—

1. श्री एम. जे. मनोहर,  
अपर सीमाशुल्क समीक्षक,  
मंगलौर।
2. श्री जी. बी. जोशी,  
सीमा शुल्क निरीक्षक, कुडापुर  
मंगलौर।
3. श्री आई. एन. उपाध्याय,  
सीमाशुल्क (निवारक) निरीक्षक,  
बालासाह।

4. श्री प्रमोद श्रीवास्तव,  
सीमाशुल्क (निवारक) निरीक्षक,  
बालासाह।

जिन सेवाओं के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है उनका स्वीकार।

श्री एम. जे. मनोहर और श्री जी. बी. जोशी :

इन दोनों अधिकारियों ने लगातार-रुतबे, 1987 में उन्हें प्राप्त हुई  
एक प्रार्थना को कार्यान्वित करने के लिए अपने अधिकार उठाते हुए लग-  
भार भार में पांच महीने तक काम किया। उनके प्रयासों के फलस्वरूप,  
7 अप्रैल, 1988 को कर्नाटक में कूचकुच के समुद्र-तट से हुए 12 वैकेंट  
पकड़े गए जिनमें 10.4 करोड़ रुपये मूल्य के वस्तु-संपत्ति की विशेषी मूल्य के  
2740 स्वर्ण-बिस्कुट थे। उन घाट व्यक्तियों को भी जो निषिद्ध मास को  
चोरी-छिपे एक जलपान में उतार रहे थे, महत्वपूर्ण पकड़े किए गए।

श्री आई. एन. उपाध्याय और श्री प्रमोद श्रीवास्तव,  
सीमाशुल्क (निवारक) निरीक्षक, बालासाह।

श्री आई. एन. उपाध्याय और श्री प्रमोद श्रीवास्तव प्रतिष्ठित और  
अग्रिम सीमा की पूर्व-सूचना के बावजूद भी 5 से 8 नवंबर, 1987 तक  
विभागीय जलपान में गस्त लगा रहे थे और उन्होंने 8 नवंबर, 1987

की प्रातः उम्बरगांव समुद्रतट से दूर समुद्र में एक जलयान की संदिग्ध गतिविधि को देखा। उस संदिग्ध जलयान का पीछा किया गया और भारी जोखिम उठाने के पश्चात् ये अधिकारी गहरे समुद्र में उक्त संदिग्ध जलयान पर सवार हो गए और पांच तस्करो और जलयान के टिबैस को धर-धोखा तथा 75 लाख रुपए मूल्य के निषिद्ध माल का प्रभिश्रहण भी किया।

इस प्रकार, उपर्युक्त चारों अधिकारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर भव्य साहस, दृढ़-निश्चय और कर्तव्य-निष्ठा का परिचय दिया है।

बी० बी० कुमार, अपर सचिव

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 15th August, 1988

#### NOTIFICATION

F. No. 712/20/88-Cus (AS).—The President is pleased, on the occasion of Independence Day, 1988 to award Appreciation Certificates to the undermentioned Officers of the Customs and Central Excise Department for exceptionally meritorious service rendered by them when undertaking task even at the risk of their lives :—

1. Shri R. J. Manohar,  
Additional Collector of Customs,  
MANGALORE
2. Shri G. B. Joshi,  
Inspector of Customs,  
Coondapur,  
MANGALORE
3. Shri I. L. Upadhyay,  
Inspector of Customs (Preventive),  
VALSAD

4. Shri Atul Srivastav,  
Inspector of Customs (Preventive),  
VALSAD

Statement of services for which the Certificates have been awarded.

Shri R. J. Manohar and Shri G. B. Joshi.

The two Officers worked continuously for four to five months exposing themselves to considerable risk in working out an intelligence received by them in November-December, 1987. Their efforts resulted in a seizure of 12 packages containing 2740 gold biscuits of foreign origin of 10 tolas each worth Rs. 10.4 crores on 7th April, 1988 off the coast of Coondapur in Karnataka, 8 persons involved in the clandestine lending of the contraband from a vessel were also successfully nabbed.

Shri I. L. Upadhyay and Shri Atul Srivastava, Inspectors of Customs (Preventive), Valsad

Shri I. L. Upadhyay and Shri Atul Srivastava who were out on patrol duty in the departmental vessel from 5th to 8th November, 1987 despite forecast of unfavourable and rough weather, observed suspicious movement of one vessel on the sea off Umbergaon coast during the early hours of 8th November, 1987. The suspect vessel was chased and after taking considerable risk, these Officers boarded the suspect vessel on the high seas and over-powered five smugglers and the tindel of the vessel and also seized contraband goods worth Rs. 75 lakhs.

Thus, the above mentioned four officers have displayed exemplary courage, determination and devotion to duty at grave risk to their lives.

B. V. KUMAR, Addl. Secy.